



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
(EXTRAORDINARY)

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 8]  
No. 8]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 7, 1983/पोष 17, 1904  
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 7, 1983/PAUSA 17, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1983

का. आ. 8(अ)/18-कक-/आई.डी.आर.ए./83.—केंद्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 802(अ)/18-कक/आई.डी.आर.ए./74, तारीख 9 अक्टूबर, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट व्यक्ति निकाय को मैसर्स मोटर एण्ड मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकत्ता का प्रबंध 9 अक्टूबर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 567(अ)/18-कक/आई.डी.आर.ए./78, तारीख 25 सितम्बर, 1978 द्वारा उक्त व्यक्ति निकाय के स्थान पर उक्त औद्योगिक उपक्रम के मुख्य अधिशासक श्री पी. एन. रामचन्द्रन को प्रतिस्थापित किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 572(अ)/18-कक/आई.डी.आर.ए./79 तारीख 8 अक्टूबर, 1979 द्वारा उक्त आदेश की 1169 GI/82

अवधि 8 अक्टूबर, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है बढ़ा दी गई थी;

और केंद्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 806(अ)/18-कक/आई.डी.आर.ए./80, तारीख 29 अक्टूबर, 1980 द्वारा भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड, कलकत्ता के उप-महाप्रबंधक श्री के. एम. बनर्जी को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 738/18-कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 8 अक्टूबर, 1981 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 8 अप्रैल, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और बढ़ा दी गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 263(अ)/18-कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 8 अप्रैल, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 8 अक्टूबर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ा दी गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 719(अ)/18-कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 8 अक्टूबर, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 8 जनवरी, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश तीन मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहना चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उप-धारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18-क की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि उक्त आदेश 8 अप्रैल, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा. सं. 2(23)/79-सी.यू.एस.]

ए. पी. सरवन, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 7th January, 1983

**S.O. 8(E)/18AA/IDRA/83.**—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 602(E)/18AA/IDRA/74, dated the 9th October 1974 (hereinafter referred to as the said order) made in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government authorised a body of persons specified therein to take over the management of Messrs Motor and Machinery Manufacturers Limited, Calcutta, for a period of five years commencing from 9th October, 1974 and the said body of persons was replaced by Shri P. N. Ramachandran, Chief Executive of the said industrial undertaking by order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 567(E)/18AA/IDIA/78, dated the 25th September, 1978;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 572(E)/18AA/IDRA/79, dated the 8th October 1979, the duration of the said order was extended upto and inclusive of the 8th October, 1981;

And, whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 866(E)/18AA/IDRA/80, dated the 29th October, 1980, the Central Government authorised Shri K. M. Banerjee, Deputy General Manager, Bharat Heavy Electricals Limited, Calcutta, to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 738/18AA/IDRA/81, dated the 6th October, 1981, the duration of the said order was further extended upto and inclusive of the 8th April, 1982;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 263(E)/18AA/IDRA/82, dated the 8th April, 1982, the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 8th October, 1982;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 719(E)/18AA/IDRA/82, dated the 8th October, 1982, the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 8th January, 1983;

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said order should continue to have effect for a further period of three months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA read with proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 8th April, 1983.

[F. No. 2(23)/79-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.